रात्रिक्लासः– 1/10/68 बाप को जादूगर भी कहते हैं। देखते हो ..... हेविन स्थापन करते हो। सबसे बड़ा जादूगर यह है। तुम बच्चे भी जादूगर हो ना। दूसरे जन्म में विश्व के मालिक बनते हो। यह जादूगरी नहीं। पढ़ाई है बिल्कुल सहज। वह तो ढेर के ढेर जादूगर देखें हैं। चीनी लोग आते थे बहुत जादू दिखाते थे। जहाँ–2 सर्विस करते हैं प्रजा तो ढेर बनती है। यह भी जादूगरी है बाप का परिचय देना। थोड़ा भी समझ गया तो इस ज्ञान का विनाश नहीं होता है। बच्चे जानते हैं इन जैसी जादूगरी तो कोई कर नहीं सकते हैं। इनसे बहुत धन मिलता है। आमदनी होती है। ..... सुख–आनन्द है। अपरमअपार है। बच्चों को मालूम हो गया हमने रावण राज्य में बहुत दुःख उठाया है। जन्म–जन्मांतर पाप बहुत किये हैं। बच्चों को फीलिंग आती है ऐसे–ऐसे पाप किये हैं। सारी दुनियाँ पुकारती है आकर पावन बनाओ। बाप को याद करने से सभी पाप भस्म हो जायेंगे। आत्मा भी सोना बन जावेगी। शरीर भी बनता तो ऐसे ही है;परंतु इसको कहा जाता है काया कंचन। प्रकृति भी गोल्डेन एज बन जाती है। उनको कहा जाता है सोने का लंका। भारत को ही सोने की चिड़िया कहा जाता है। ..... सागर को ज्ञान से खाली कर देते हैं। शास्त्रों में फिर चिड़ियाओं की बात लिख दी है। वह तो जन्म–जन्मांतर सुनते आये हो। अभी बाप कहते हैं भक्ति मार्ग में तुम सुनते नीचे ही गिरते आये हो। अभी यह बातें ना सुनो। बाप कहते हैं यहाँ बैठे हो अगर याद है तो जैसे लाइट हाउस हो। एक आँख में सुखधाम, दूसरे में है शांतिधाम। दुःखधाम को याद न करो हरेक के नईया को पार ले जाते हैं। हरेक को पैगाम देना है। यह भी बहुत सहज है। बच्चे जानते हैं समय बहुत ही थोड़ा है। अभी तो हम अपना राज्य स्थापन करते हैं। फिर यह सभी होंगे ही नहीं। बाबा आकर के ऐसा योग सिखलाते हैं जो हम पावन बन पावन दुनियाँ में जाते हैं। पतित दुनिया का विनाश लिये यह तैयारियाँ हैं। तो खुशी होनी चाहिए। जब आगे चल विनाश नज़दीक आवेगा तो बहुत को सा॰ होगा। अनेक प्रकार के सा॰ होंगे। बच्चे विजीटर्स भी है तो वारिस भी हैं। विजीटर्स हैं इसलिए खातरी करनी होती है। यहाँ के बच्चे सिर्फ वारिस हैं। तो उन्हों को विजीटरों की खातरी करनी है। दीदी को जांच करनी है सभी की खातरी होती है यथा योग्य कब–कब ख्याल होता है कोई की खातरी जास्ती कोई की कम होती है वह ख्याल न होना चाहिए। जिन्होंने ..... है तो वह आते हैं तो प्रबंध देना पड़ता है। खातरी करनी पड़ती है। इसमें संशय बुद्धि न होना चाहिए। कोई संशय बुद्धि होकर पढ़ाई छोड़ देते हैं। यह कब ख्याल नहीं करना। डायरैक्शन दिये जाते हैं और सभी ..... छोड़ अपने कल्याण का सोचो। नहीं तो ..... हसद हो जाता है। कब–2 बच्चे हसद में आते हैं तो बाप ...धान करते हैं। पावन बन पावन दुनिया में .... चलना .... तुम इसमें लग जाओ। अनेक बच्चे ऐसी–2 बातों में (अधूरी मुरली)